[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 9470 **IC**

Unique Paper Code : 62051203

Name of the Paper : Hindi B

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi – CBCS**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10 + 10 + 10 = 30)

(क) यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान।
शीश दिए जो गुरु मिले, तो भी सस्ता जान।।

अथवा

कृपा सिन्धु बोले मुस्काई। सोइ करू जेहि तव नाव न जाई।।
बेगी आनु जल पाय पखारू। होत बिलंबु उतारहि पारू।।

P.T.O.

जासु नाम सुमिरत एक बारा। उतरहिं नर भव सिन्धु अपारा ।।

सोइ कृपालु केवटहि निहोरा। जेहिं जगु किए तिहु पगहु ते थोरा ।।

(ख) बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाइ।

सौंह करै भौंहनु हँसे, दैन कहे, नटी जाइ ।।

अथवा

इंद्र जिमि जम्भ पर बाड़व सुंअभ पर, रावण सदम्भ पर रघुकुल राज हैं।

पौन बारिवाह पर संभु रतिनाह पर, ज्यौं सहसबाहु पर राम द्विजराज हैं।

दावा द्रुमदंड पर, चीता मृग झुंड पर, भूषन बितुंड पर जैसे मृगराज हैं।

तेज तम अंस पर कान्ह जिमी कंस पर, त्यों मलेच्छ बंस पर सेर सिवराज हैं ।।

(ग) प्रभु ईसा की क्षमाशीलता

नबी मुहम्मद का विश्वास

जीव दया जिनवर गौतम की

आओ देखो इसके पास।

अथवा

काट अंध-उर के बंधन-स्तर
बहा, जननि, ज्योतिर्मय निर्झर;
कलुष-भेद-तम हर प्रकाश भर
जगमग जग कर दे !

2. तुलसीदास **अथवा** कबीर का साहित्यिक परिचय दीजिए। (10)

3. भूषण **अथवा** बिहारी के काव्य का सार लिखिए। (10)

4. 'वर दे वीणावादिनी' अथवा 'बालिका का परिचय' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। (10)

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर टिप्पणी लिखिए : (5)

(i) हिन्दी के उद्‌भव का सामान्य परिचय

(ii) हिन्दी के अतिरिक्त किसी एक आधुनिक भारतीय भाषा का परिचय (5 + 5 = 10)

(ख) किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

(i) चारण काव्य

(ii) सूफी काव्य

(iii) रीतिमुक्त काव्यधारा

(iv) भारतेंदु युग